दान का विलेख

दान का यह विलेख आज दिनांक.....माह.....सन्.....को श्री .... आत्मज .....आयु.....वर्ष निवासी..... (जिसे आगे ''दाता'' कहा गया है) एवं जो इस विलेख का प्रथम पक्षकार है तथा .... आत्मज ..... आयु.....वर्ष निवासी..... (जिसे आगे ''आदाता'' कहा गया है) एवं जो इस विलेख का द्वितीय पक्षकार है के बीच .....(ग्राम/शहर का नाम) में निष्पादित किया गया ।

और चूंकि दाता नीचे अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति का पूर्णरूपेण स्वामी होकर वह उसका उपयोग एवं उपभोग कर रहा है ।

और चूंकि उक्त आदाता ..... आत्मज ..... उसकी बहिन/भाई का एकमात्र पुत्र है, एवं वह दाता के पास ..... वर्षों से रह रहा है तथा दाता का उसके प्रति अगाध प्रेम और स्नेह है, अतएव वह उक्त सम्पत्ति का अग्रलिखित रीति के अनुसार निर्वर्तन करने का इच्छुक है ।

अनुसूची
(दान में दी गई सम्पत्ति का पूर्ण विवरण)

अब यह विलेख साक्ष्यांकित करता है कि दाता प्रेम एवं स्नेह के पूरित होकर नीचे अनुसूची में वर्णित सारी भूमि एवं भवन से संलग्न सारे अधिकारों के साथ अपनी स्वतंत्र सहमति से उक्त सहमति आदाता को दान करता है ।

उपर्युक्त के साक्ष्य स्वरूप हम दोनों पक्षकारों ने निम्नलिखित दो साक्षियों के समक्ष उपर्युक्त स्थान एवं दिनांक पर अपने हस्ताक्षर कर दिये है ।

साक्षीगण :–

(1) .....

(2) .....

हस्ताक्षर .....
(दाता)

हस्ताक्षर .....
(आदाता)